PREVIEW QUESTION BANK(Single)

Module Name : NCET Language: ENGLISH
Section Name : 211-Maithili
Exam Date : 29-Apr-2025 Batch : 09:00-12:00

Sr. No.	Client Question ID	Question Body and Alternatives	Marks	Ne M
Section : 211-Maithili				
Topic : Topic 51				
Q.Type : Objective Question				
1	3576	**पठित गद्यांशक आधारपर देल गेल प्रश्नमे सँ सही उत्तरक चयन करू।** मैथिली साहित्यमे शिवभक्ति मूलक पद-रचनाक सुदीर्घ परम्परा रहल अछि। मिथिलामे एहन प्रायः कोनो गाम नहि होयत जतय एकटा ने एकटा शिव मन्दिर नहि हो ओ जकर प्रांगण शिव-भजनक श्रद्धा श्लथ स्वर-लहरीसँ मुखरित नहि भेल हो। शिव-भक्तिक अत्यधिक प्रचलनक कारणे एहि जन-पदक विकसित साहित्यमे – संस्कृत ओ मैथिली दुहूमे शिव-भक्तिक विषय लऽ अनेकानेक ग्रन्थ रचित भेल अछि। मैथिली मे तँ गीत-काव्यक एक गोट विशिष्ट धार नचारी ओ महेशवानीक नामसँ प्रसिद्ध भऽ प्रवाहित भेल। एकर कारण भेल महादेवकेँ जन-देवताक रूपमे परिगृहित भेलासँ एहिठाम आरम्भेसँ शास्त्रीयताक बड़ मर्यादा रहल अछि ओ अर्चना-पूजामे जाति ओ लिंगगत बन्धन सभ दिनसँ विद्यमान रहल अछि। परन्तु शिव-भक्ति करबामे कोनो प्रकारक बन्धन कहियो नहि रहल ओ स्त्री-पुरुष निम्नसँ निम्न जातिक लोककेँ शिव-भक्तिक रूपमे अपन अवरुद्ध भक्ति-भावनाक आकुल एवं उन्मुक्त अभिव्यक्ति करबाक अवसर भेटैत रहलैक अछि। द्विजेतर जातिक हेतु संस्कृतक द्वार खुजल नहि छलैक एवं ओ लोकनि अपन मातृवाणीक माध्यमेसँ अपन भक्तिभावाभिव्यंजनाकेँ परितुष्ट करैत छलाह। परिणामस्वरूप मिथिलामे अन्य देवताक अपेक्षा शिव-भक्तिक प्रधानता भऽ गेल तथा शृंगारिक कवितासँ किंचितो कम शिवभक्ति मूलक पदक रचना प्रचलित नहि भेल। मैथिली साहित्यक गीत-काव्य-परम्परामे भक्ति ओ शृंगार दुइए गोट मूल भाववृत्तिकेँ प्रमुख रूपेँ ग्रहण कयल गेल एवं भक्तिकाव्यक अधिकांश रचना शिवभक्तिमूलके अछि। --- एहि जनपदक विकसित साहित्यमे संस्कृत ओ मैथिली दुनूमे प्राप्त होइत अछि - 1. कृष्णभक्तिक वर्णन 2. शिवभक्तिक वर्णन 3. दुर्गाभक्तिक वर्णन 4. रामभक्तिक वर्णन (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.00
Q.Type : Objective Question				
2	3577		4.0	1.00

पठित गद्यांशक आधारपर देल गेल प्रश्नमे सँ सही उत्तरक चयन करू।

मैथिली साहित्यमे शिवभक्ति मूलक पद-रचनाक सुदीर्घ परम्परा रहल अछि। मिथिलामे एहन प्रायः कोनो गाम नहि होयत जतय एकटा ने एकटा शिव मन्दिर नहि हो ओ जकर प्रांगण शिव-भजनक श्रद्धा श्लथ स्वर-लहरीसँ मुखरित नहि भेल हो। शिव-भक्तिक अत्यधिक प्रचलनक कारणे एहि जन-पदक विकसित साहित्यमे – संस्कृत ओ मैथिली दुहूमे शिव-भक्तिक विषय लऽ अनेकानेक ग्रन्थ रचित भेल अछि। मैथिली मे तँ गीत-काव्यक एक गोट विशिष्ट धार नचारी ओ महेशवानीक नामसँ प्रसिद्ध भऽ प्रवाहित भेल। एकर कारण भेल महादेवकेँ जन-देवताक रूपमे परिगृहित भेलासँ एहिठाम आरम्भेसँ शास्त्रीयताक बड़ मर्यादा रहल अछि ओ अर्चना-पूजामे जाति ओ लिंगगत बन्धन सभ दिनसँ विद्यमान रहल अछि। परन्तु शिव-भक्ति करबामे कोनो प्रकारक बन्धन कहियो नहि रहल ओ स्त्री-पुरुष निम्नसँ निम्न जातिक लोककेँ शिव-भक्तिक रूपमे अपन अवरुद्ध भक्ति-भावनाक आकुल एवं उन्मुक्त अभिव्यक्ति करबाक अवसर भेटैत रहलैक अछि। द्विजेतर जातिक हेतु संस्कृतक द्वार खुजल नहि छलैक एवं ओ लोकनि अपन मातृवाणीक माध्यमेसँ अपन भक्तिभावाभिव्यंजनाकेँ परितुष्ट करैत छलाह। परिणामस्वरूप मिथिलामे अन्य देवताक अपेक्षा शिव-भक्तिक प्रधानता भऽ गेल तथा शृंगारिक कवितासँ किंचितो कम शिवभक्ति मूलक पदक रचना प्रचलित नहि भेल। मैथिली साहित्यक गीत-काव्य-परम्परामे भक्ति ओ शृंगार दुइए गोट मूल भाववृत्तिकेँ प्रमुख रूपेँ ग्रहण कयल गेल एवं भक्तिकाव्यक अधिकांश रचना शिवभक्तिमूलके अछि।

जन-देवताक रूपमे परिगृहित भेलाह -

1. दुर्गा
2. कृष्ण
3. महादेव
4. जानकी

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

3	3578		4.0	1.00

पठित गद्यांशक आधारपर देल गेल प्रश्नमे सँ सही उत्तरक चयन करू।

मैथिली साहित्यमे शिवभक्ति मूलक पद-रचनाक सुदीर्घ परम्परा रहल अछि। मिथिलामे एहन प्रायः कोनो गाम नहि होयत जतय एकटा ने एकटा शिव मन्दिर नहि हो ओ जकर प्रांगण शिव-भजनक श्रद्धा श्लथ स्वर-लहरीसँ मुखरित नहि भेल हो। शिव-भक्तिक अत्यधिक प्रचलनक कारणे एहि जन-पदक विकसित साहित्यमे – संस्कृत ओ मैथिली दुहूमे शिव-भक्तिक विषय लऽ अनेकानेक ग्रन्थ रचित भेल अछि। मैथिली मे तँ गीत-काव्यक एक गोट विशिष्ट धार नचारी ओ महेशवानीक नामसँ प्रसिद्ध भऽ प्रवाहित भेल। एकर कारण भेल महादेवकेँ जन-देवताक रूपमे परिगृहित भेलासँ एहिठाम आरम्भेसँ शास्त्रीयताक बड़ मर्यादा रहल अछि ओ अर्चना-पूजामे जाति ओ लिंगगत बन्धन सभ दिनसँ विद्यमान रहल अछि। परन्तु शिव-भक्ति करबामे कोनो प्रकारक बन्धन कहियो नहि रहल ओ स्त्री-पुरुष निम्नसँ निम्न जातिक लोककेँ शिव-भक्तिक रूपमे अपन अवरुद्ध भक्ति-भावनाक आकुल एवं उन्मुक्त अभिव्यक्ति करबाक अवसर भेटैत रहलैक अछि। द्विजेतर जातिक हेतु संस्कृतक द्वार खुजल नहि छलैक एवं ओ लोकनि अपन मातृवाणीक माध्यमेसँ अपन भक्तिभावाभिव्यंजनाकेँ परितुष्ट करैत छलाह। परिणामस्वरूप मिथिलामे अन्य देवताक अपेक्षा शिव-भक्तिक प्रधानता भऽ गेल तथा शृंगारिक कवितासँ किंचितो कम शिवभक्ति मूलक पदक रचना प्रचलित नहि भेल। मैथिली साहित्यक गीत-काव्य-परम्परामे भक्ति ओ शृंगार दुइए गोट मूल भाववृत्तिकेँ प्रमुख रूपेँ ग्रहण कयल गेल एवं भक्तिकाव्यक अधिकांश रचना शिवभक्तिमूलके अछि।

अपन भक्तिभावाभिव्यञ्जनाकेँ परितुष्ट करबाक माध्यम छल -

1. युववाणी
2. क्षेत्रवाणी
3. राष्ट्रवाणी
4. मातृवाणी

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

4 | 3579 | 4.0 | 1.0

पठित गद्यांशक आधारपर देल गेल प्रश्नमे सँ सही उत्तरक चयन करू।

मैथिली साहित्यमे शिवभक्ति मूलक पद-रचनाक सुदीर्घ परम्परा रहल अछि। मिथिलामे एहन प्रायः कोनो गाम नहि होयत जतय एकटा ने एकटा शिव मन्दिर नहि हो ओ जकर प्रांगण शिव-भजनक श्रद्धा श्लथ स्वर-लहरीसँ मुखरित नहि भेल हो। शिव-भक्तिक अत्यधिक प्रचलनक कारणे एहि जन-पदक विकसित साहित्यमे – संस्कृत ओ मैथिली दुहूमे शिव-भक्तिक विषय लऽ अनेकानेक ग्रन्थ रचित भेल अछि। मैथिली मे तँ गीत-काव्यक एक गोट विशिष्ट धार नचारी ओ महेशवानीक नामसँ प्रसिद्ध भऽ प्रवाहित भेल। एकर कारण भेल महादेवकेँ जन-देवताक रूपमे परिगृहित भेलासँ एहिठाम आरम्भेसँ शास्त्रीयताक बड़ मर्यादा रहल अछि ओ अर्चना-पूजामे जाति ओ लिंगगत बन्धन सभ दिनसँ विद्यमान रहल अछि। परन्तु शिव-भक्ति करबामे कोनो प्रकारक बन्धन कहियो नहि रहल ओ स्त्री-पुरुष निम्नसँ निम्न जातिक लोककेँ शिव-भक्तिक रूपमे अपन अवरुद्ध भक्ति-भावनाक आकुल एवं उन्मुक्त अभिव्यक्ति करबाक अवसर भेटैत रहलैक अछि। द्विजेतर जातिक हेतु संस्कृतक द्वार खुजल नहि छलैक एवं ओ लोकनि अपन मातृवाणीक माध्यमेसँ अपन भक्तिभावाभिव्यंजनाकेँ परितुष्ट करैत छलाह। परिणामस्वरूप मिथिलामे अन्य देवताक अपेक्षा शिव-भक्तिक प्रधानता भऽ गेल तथा शृंगारिक कवितासँ किंचितो कम शिवभक्ति मूलक पदक रचना प्रचलित नहि भेल। मैथिली साहित्यक गीत-काव्य-परम्परामे भक्ति ओ शृंगार दुइए गोट मूल भाववृत्तिकेँ प्रमुख रूपेँ ग्रहण कयल गेल एवं भक्तिकाव्यक अधिकांश रचना शिवभक्तिमूलके अछि।

गीत-काव्य-परम्परामे दू गोट मूल भाव प्रवृत्तिकेँ प्रमुखता देल गेल अछि -

1. शक्ति ओ शृंगार
2. भक्ति ओ शृंगार
3. नचारी ओ महेशवाणी
4. प्रीति ओ शृंगार

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Topic : Topic 52

Q.Type : Objective Question

5 | 3580 | 4.0 | 1.0

निम्नलिखित पदसँ सही पंक्ति बनाउ।
A. कोन
B. भेलहुँ
C. पाप
D. कए
E. अस्पृश्य
नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. A, B, C, D, E
2. B, C, D, E, A
3. E, B, D, A, C
4. E, C, D, A, B

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

6 | 3581 | 4.0 | 1.0

		निम्नलिखित पदसँ सही पंक्ति बनाउ। A. भवन B. लय C. गेली D. झाँपि E. अञ्चल नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू: 1. B, D, E, A, C 2. E, A, B, C, D 3. C, D, E, A, B 4. E, D, A, B, C (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4		

Q.Type : Objective Question

7	3582	निम्नलिखित पदसँ सही पंक्ति बनाउ। A. तोड़सि B. गोरी C. किए D. कानने E. कुसुम नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू: 1. D, E, A, C, B 2. A, B, C, D, E 3. B, C, D, E, A 4. A, E, C, D, B (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.00

Q.Type : Objective Question

8	3583	निम्नलिखित पदसँ सही पंक्ति बनाउ। A. कोकिलाक कलरव B. वृक्षक नूतनता C. कुमुदक सम्भार D. पल्लवक उद्गम E. मलयानिलक वेग नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू: 1. A, B, C, D, E 2. B, D, C, E, A 3. B, D, E, C, A 4. C, D, E, A, B (A) 1 (B) 2 (C) 3	4.0	1.00

(D) 4

Q.Type : Objective Question

9	3584	निम्नलिखित पदसँ सही पंक्ति बनाउ।	4.0	1.00

निम्नलिखित पदसँ सही पंक्ति बनाउ।

A. बनि
B. जनमल
C. सगरो
D. बबूर
E. छथि

नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. B, C, D, E, A
2. A, B, D, E, C
3. C, D, A, B, E
4. C, D, B, A, E

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

10	3585	निम्नलिखित रचनाकेँ रचनाकारक संग मिलान करू:	4.0	1.00

निम्नलिखित रचनाकेँ रचनाकारक संग मिलान करू:

	सूची-I		सूची-II
A.	पतन	I.	रवीन्द्रनाथ ठाकुर
B.	उत्तरा	II.	सुरेन्द्र झा 'सुमन'
C.	एकलव्य	III.	उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'
D.	सीता	IV.	अमरेन्द्र मिश्र

नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. A-III, B-I, C-IV, D-II
2. A-III, B-II, C-IV, D-I
3. A-I, B-II, C-III, D-IV
4. A-IV, B-II, C-III, D-I

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

11	3586		4.0	1.00

निम्नलिखित महाकाव्यकेँ कविक संग मिलान करू:

सूची-I		सूची-II	
A.	कृष्णचरित	I.	दीनानाथ पाठक 'बन्धु'
B.	शकुन्तला	II.	तंत्रनाथ झा
C.	चाणक्य	III.	मार्कण्डेय प्रवासी
D.	अगस्त्यायनी	IV.	चन्द्रभानु सिंह

नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. A-II, B-IV, C-I, D-III
2. A-III, B-IV, C-II, D-I
3. A-II, B-IV, C-III, D-I
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

12	3587		4.0	1.00

निम्नलिखित कथाक कथाकार संग मिलान करू:

सूची-I		सूची-II	
A.	बाबी	I.	मायानन्द मिश्र
B.	ओभरलोड	II.	उषाकिरण खान
C.	सीमक लत्ती	III.	ललित
D.	टुटैत कीलक जाँत	IV.	प्रभास कुमार चौधरी

नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. A-IV, B-III, C-II, D-I
2. A-III, B-II, C-I, D-IV
3. A-IV, B-II, C-III, D-I
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

13	3588		4.0	1.00

निम्नलिखित कविताकेँ कविक संग मिलान करू:

सूची-I		सूची-II	
A.	विद्यापति वन्दना	I.	हर्षनाथ झा
B.	सोहर	II.	काशीकान्त मिश्र 'मधुप'
C.	छुतहर	III.	गोविन्ददास
D.	उठह कृषक	IV.	सोमदेव

नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

14 | 3589 | 4.0 | 1.00

निम्नलिखित उपन्यासकेँ उपन्यासकारक संग मिलान करू:

	सूची-I		सूची-II
A.	आन्दोलन	I.	मायानन्द मिश्र
B.	मन्त्रपुत्र	II.	प्रभास कुमार चौधरी
C.	युगपुरुष	III.	उषा किरण खान
D.	भामती	IV.	राजकमल चौधरी

नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. A-III, B-II, C-I, D-IV
2. A-IV, B-I, C-II, D-III
3. A-II, B-III, C-IV, D-I
4. A-IV, B-II, C-III, D-I

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

15 | 3590 | 4.0 | 1.00

निम्नलिखितसँ विदेशज शब्दक चयन करू:

A. बाढ़नि
B. कपाट
C. तोसक
D. कोठी
E. लहास

नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. A, B मात्र
2. A, C मात्र
3. C, D मात्र
4. C, E मात्र

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

16 | 3591 | 4.0 | 1.00

निम्नलिखित शब्दसँ संज्ञाक चयन करू:
A. अनुमति
B. दूध
C. निपुण
D. मेला
E. एमहर
नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू:

1. A, B मात्र
2. B, C मात्र
3. B, D मात्र
4. C, D मात्र

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

17	3592	निम्नलिखतमे सँ लोकोक्तिक चयन करू: A. उँटक मुहमे जीरक फोड़न B. उनटे गंगा बहायब C. आगूनाथ ने पाछू पगहा D. अकाससँ गप करब E. अपन सन मुह होयब नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू: 1. A, B मात्र 2. A, C मात्र 3. B, D मात्र 4. C, E मात्र (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.00

Q.Type : Objective Question

18	3593	निम्नलिखितमे सँ मोहावराक चयन करू: A. अनहा गाममे कनहा राजा B. उचित कहैत घर झगड़ा C. अटकरे गीता पाठ करब D. अपनहि पैरमे कुड़हरि मारब E. कनही गायक भिन्ने बथान नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू: 1. A, B मात्र 2. C, D मात्र 3. C, E मात्र 4. D, E मात्र (A) 1 (B) 2	4.0	1.00

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

19	3594	निम्नलिखितमे सँ शुद्ध शब्दक चयन करू: A. घनिष्ठ B.सम्बाद C. घनिष्ट D. अभ्यस्त E. अभ्यस्थ नीचाँ देल गेल विकल्पसँ **सही** उत्तरक चयन करू: 1. A, B मात्र 2. C, D मात्र 3. D, E मात्र 4. A, E मात्र (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.0(

Q.Type : Objective Question

20	3595	'अमृत' शब्दक पर्यायवाची अछि: 1. सुधाकर 2. पीयूष 3. मयंक 4. सुरसरि (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.0(

Q.Type : Objective Question

21	3596	'दुर्गा' शब्दक पर्यायवाची अछि: 1. असुरारि 2. घात्री 3. सरिता 4. कामरि (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.0(

Q.Type : Objective Question

22	3597	'अम्बर' शब्दक विपरीतार्थक अछि: 1. कृशानु 2. अवनि 3. दिगम्बर 4. आमोद (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.00
Q.Type : Objective Question				
23	3598	'तनया' शब्दक विपरीतार्थक अछि: 1. निर्भया 2. तनुजा 3. विनया 4. तनय (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.00